भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

मौखिक प्रश्न सं. *1

मंगलवार, 11 दिसम्बर, 2018/20 अग्रहायण, 1940 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

देश में पर्यटन का विकास

*1. **श्री विजय पाल सिंह तोमरः**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा देश के युवाओं के लिए रोज़गार का सृजन करने हेतु उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न भागों में पर्यटन को विकसित करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) सरकार द्वारा इन स्थानों को लोकप्रिय बनाने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान उक्त पर्यटक स्थलों के सौंदर्यीकरण के लिए कितनी-कितनी धनराशि आवंटित की गयी है; और

(घ) इससे देश में पर्यटकों को आकर्षित करने तथा रोज़गार के अवसरों में वृद्धि में कितनी मदद मिलने की संभावना है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री के.जे. अल्फोंस)

(क) से (घ) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

****

देश में पर्यटन का विकास के संबंध में दिनांक 11.12.2018 के राज्य सभा मौखिक प्रश्न सं. *1 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

(क): पर्यटन मंत्रालय द्वारा उत्तर प्रदेश सहित देश में पर्यटन के विकास हेतु उठाए गए कदम, जिनसे देश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों के सृजन में सहायता मिली है, निम्नलिखित हैं:

i. पर्यटन मंत्रालय ने थीम आधारित पर्यटक परिपथों के विकास के दृष्टिकोण से वर्ष 2014-15 में स्वदेश दर्शन योजना शुरू की है ।
ii. तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) योजना संबंधी राष्ट्रीय मिशन की शुरूआत मंत्रालय द्वारा वर्ष 2014-15 में चयनित तीर्थ गंतव्यों के समग्र विकास के उद्देश्य से की गई थी ।
iii. मंत्रालय द्वारा विरासत स्थलों पर पर्यटक सुविधाओं के विकास और रख-रखाव के लिए 'एक विरासत को अपनाएं' परियोजना की शुरूआत की गई है ।
iv. मंत्रालय ने समग्र विकास हेतु देश में 17 प्रतिष्ठित पर्यटक स्थलों की पहचान की है ।
v. देश में इन-बाउंड पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 166 देशों के नागरिकों हेतु मौजूदा ई-पर्यटक वीज़ा की रूप-रेखा बदलकर ई-वीज़ा को तीन उपश्रेणियों में विभाजित कर दिया गया है यथा ई-पर्यटक वीज़ा, ई-व्यापार वीज़ा और ई-चिकित्सा वीज़ा ।
vi. विशिष्ट अभिरूचि वाले पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए 'निश पर्यटन' का विकास एवं संवर्धन तथा ऐसे अद्वितीय उत्पादों के लिए पर्यटकों का पुन: आगमन सुनिश्चित करना जिनमें भारत को तुलनात्मक रूप से बढ़त हासिल हो ।
vii. 24x7 टॉल फ्री बहुभाषी पर्यटक हेल्पलाइन का आरंभ ।
viii. महत्वपूर्ण पर्यटन सृजक मार्केटों में केंद्रीकृत प्रिंट, टीवी तथा ऑनलाइन मीडिया अभियानों के माध्यम से विभिन्न पर्यटन स्थलों सहित भारत को एक संपूर्ण पर्यटन गंतव्य के रूप में संवर्धन करना ।
ix. घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय दोनों मार्केटों में देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन ।
x. युवाओं में रोजगार योग्य दक्षता के सृजन हेतु 'हुनर से रोजगार तक' नामक विशेष पहल की शुरुआत ।

(ख): पर्यटन मंत्रालय देश के विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में विविध पर्यटन गंतव्यों तथा उत्पादों सहित भारत को एक संपूर्ण गंतव्य के रूप में प्रचारित करता है ।

पर्यटन मंत्रालय वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी में वृद्धि करने के लिए देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों तथा गंतव्यों के संवर्धन के लिए विदेशों में स्थित अपने भारतपर्यटन कार्यालयों के माध्यम से पर्यटन बाजार में भारत को अधिमानता प्राप्त पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता है । एकीकृत विपणन तथा संवर्धनात्मक कार्यनीति और यात्रा व्यापार, राज्य सरकारों और विदेश स्थित भारतीय मिशनों के सहयोग से एक समन्वित अभियान के माध्यम से इन उद्देश्यों को पूरा किया जाता है ।

विदेश स्थित भारतपर्यटन कार्यालय विदेश स्थित भारतीय मिशनों के साथ मिलकर विभिन्न संवर्धनात्मक कार्यकलाप करते हैं जैसे इस मंत्रालय के आतिथ्य कार्यक्रम के तहत भारत की यात्रा करने के लिए भारतीय खाद्य महोत्सवों, सांस्कृतिक महोत्सवों/इंडिया इवनिंग्स, भारत को जानिए संगोष्ठियों, रोड शोज़, संयुक्त प्रचारों आदि का आयोजन करना तथा सहायता देना, टूर आपरेटरों, मीडिया के लोगों को, विचारकों आदि को आमंत्रित करना ।

(ग) और (घ): पर्यटन मंत्रालय ने विभिन्न पर्यटक गंतव्यों के सौन्दर्यीकरण सहित देश में पर्यटन संबंधित अवसंरचना के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन, प्रशाद तथा केंद्रीय एजेंसियों को सहायता के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं को स्वीकृति दी है । चालू वर्ष सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान उपरोक्त योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची अनुबंध में दी गई है । उपरोक्त योजनाओं के अंतर्गत पूरी होने वाली परियोजनाओं से अंतर्राष्ट्रीय तथा घरेलू पर्यटकों को बेहतर पर्यटन अनुभव प्राप्त होंगे और इन गंतव्यों की ओर अधिकाधिक पर्यटकों को आकर्षित करने में सहायता मिलेगी जिसके परिणाम स्वरूप इन स्थानों पर युवाओं तथा स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के और अधिक अवसर सृजित होंगे ।

****